महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

ज्ञान शांति मैत्री

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252551 मो.9960562305 ईमेल-bsmirgae@gmail.com

---

'अंतर्यात्रा' काव्यसंग्रह का कुलपति राय ने किया लोकार्पण

वर्धा दि. 29 सितंबर 2011: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति तथा साहित्यकार विभूति नारायण राय ने राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग के अध्यक्ष तथा प्रख्यात चित्रकार प्रा. दीपक जोशी द्वारा रचित 'अंतर्यात्रा' चित्र तथा काव्य संग्रह का लोकार्पण बुधवार दि. 28 सितंबर को नागपुर विश्वविद्यालय के गुरूनानक भवन में किया। समारोह की अध्यक्षता नागपुर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विलास सपकाल ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के कुलसचिव डॉ. के. जी. खामरे, अखिल भारतीय हिंदी संस्था संघ, नई दिल्ली के अध्यक्ष गिरीश गांधी, नागपुर तथा महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के साहित्य विद्यापीठ के अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता प्रो. सूरज पालीवाल मंचासीन थे।

इस अवसर पर कुलपति राय ने अंतर्यात्रा काव्यसंग्रह के लेखक दीपक जोशी को बधाई देते हुए कहा कि पेंटिंग और काव्य को एकसाथ लाकर पाठकों के सामने लाने का जोखीम भरा काम लेखक ने किया है। उन्होंने प्रेमचंद की कहानियों पर सत्यजित रे द्वारा बनाई गयी दो फिल्में 'सतरंज के खिलाडी' एवं 'सदगति' का जिक्र करते हुए कहा कि एक विधा को दूसरी विधा में प्रस्तुत करना एक साहसभरा काम होता है। महाराष्ट्र में पेंटिंग की परंपरा को याद करते हुए उन्होंने कहा कि हमारा पूरा पौराणिक साहित्य यानि महाभारत, वेद, पुरान आदि कविता के फॉर्म में है। जानेमाने पेंटर और कहानीकार रामकुमार का उल्लेख करते

हुए कुलपति राय ने कहा कि उन्होंने कविता की दुनिया में हाथ आजमाने की कोशिश की, वहां उन्हें नयापन नहीं दिखा परंतु वे एक कसे हुए कवि साबित जरूर हुए।

विश्वविद्यालय के साहित्य विद्यापीठ के प्रो. सूरज पालीवाल ने काव्यसंग्रह में रचित 'चॉंद का तकिया' और 'अमलताश पर गुलमोहर' कविताओं का उदाहरण देकर कहा कि इस प्रकार की कविताएं रचना साहस का काम है। ये कविताएं बडा बिंब बनाती है और वह मानवीय पक्ष की ओर इशारा करती है। इस तरह के प्रयोग के लिए उन्होंने रचनाकार जोशी को बधाई दी और कहा कि वे अपनी कविताओं में नए सिरे से नए प्रयोग करते चलते है। अखिल भारतीय हिंदी संस्था संघ, नई दिल्ली के अध्यक्ष गिरीश गांधी ने कहा कि चित्र और काव्य की अभिव्यक्ति 'अंतर्यात्रा' से प्रकट होती है। अध्यक्षीय वक्तव्य नागपुर विश्वविद्यालय के कुलपति ने अंतर्यात्रा का प्रकाशन विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है।

समारोह का प्रारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा दीपप्रज्ज्वलन से किया गया। काव्य संग्रह के लोकार्पण के पूर्व दीपक जोशी की एक कविता 'चंद्रबन की यात्रा' की नाट्य प्रस्तुति की गयी। समारोह का संचालन सोनु जसवानी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन विसा बुक्स, नागपुर के विनोद लोकरे ने किया। कार्यक्रम में नागपुर विवि के हिंदी विभाग के डॉ. प्रमोद शर्मा, प्रो. राम प्रकाश सक्सेना, हिंदी विवि के जनसंपर्क अधिकारी बी एस मिरगे सहित साहित्यप्रेमी बडी संख्या में उपस्थित थे।

बी एस मिरगे, जनसंपर्क अधिकारी

पोष्ट - मानस मंदिर, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
Post- Manas Mandir, Gandhi Hills, Wardha-442001 (Maharashtra), INDIA
Ph./Fax: (07152) 252651 ई-मेल/**E-mail: bsmirgae@gmail.com**, वेबसाईट/**Website:** www.hindivishwa.org